राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तीसरी वर्षगांठ को लेकर आईआईएम रांची में साझा हुई पहल

झारखंड के उच्च शिक्षण संस्थानों ने बताया रोडमैप

रांची, प्रमुख संवाददाता। शिक्षा मंत्रालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के सहयोग से 29-30 जुलाई को एनईपी-2020 की तीसरी वर्षगांठ पर अखिल भारतीय शिक्षा समागम का आयोजन हो रहा है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में किया जाएगा। इसके तहत भारत में शिक्षा और कौशल ढांचे के पुनर्गठन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दृष्टिकोण व परिकल्पित पहलुओं, प्रावधानों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए मंगलवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रांची में प्रेसवार्ता हुई।

क्षेत्रीय विकास निदेशालय एवं उद्यमिता, झारखंड और प्रेस सूचना ब्यूरो, रांची के सहयोग से आयोजित इस प्रेस वार्ता में आईआईएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव, रांची विवि के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा, उपायुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन डीपी पटेल, उप निदेशक, आरडीएसडी - झारखंड, एमएसडीई पीके मडावी, ट्रिपल आईटी रांची के शिक्षक डॉ शशिकांत शर्मा व डॉ जीतेंद्र कुमार मिश्रा, एनआईटी जमशेदपुर के एसोसिएट डीन डॉ मोहम्मद आशिक हसन आदि ने अपने संस्थानों में नई शिक्षा नीति लागू करने को लेकर की गई पहलों की जानकारी साझा की। इस दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर ऑडियो-विडियो क्लिप भी दिखाए गए।

आईआईएम रांची में मंगलवार को उच्च शिक्षण संस्थान के प्रतिनिधि जानकारी देते।

आईआईएम ने कई कोर्स शुरू किए: प्रो दीपक

आईआईएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आईआईएम रांची ने प्रबंधन में एकीकृत कार्यक्रम (आईपीएम) शुरू किया। बहु-विषयक वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए हैं। इसके अलावा, समग्र विकास के लिए साइंस ऑफ हैप्पीनेस, सस्टेनेबिलिटी, सोशल वर्क और ट्राइब्स इन इंडिया जैसे नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत की है। संस्थान ने भारतीय व्यापार प्रणाली और जनजातीय उद्यमिता पर शोध करने का विचार तैयार किया है। साथ ही, महात्मा गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप को झारखंड व तमिलनाडु में लागू किया है।

आरयू डिजिटलीकरण में तेजी से बढ़ रहा है आगे

रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि रांची विश्वविद्यालय एनईपी-2020 के तहत विभिन्न वर्गों के डिजिटलीकरण की दिशा में लगातार काम कर रहा है। इस नीति के अनुसार नए पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं और शिक्षण कार्य शुरू किया गया है।

केंद्रीय विद्यालयों में प्रौद्योगिकी को बढ़ावा

उपायुक्त, केंद्रीय विद्यालय संगठन, डीपी पटेल ने कहा कि केंद्रीय विद्यालयों ने देशभर में प्रवेश स्तर के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रणाली के लिए प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दिया है। फीस का ई-संग्रह, ऑनलाइन ट्रांसफर पोर्टल, जेम के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद आदि हो रही है।

एनआईटी-ट्रिपल आईटी के कोर्स देंगे विशेषज्ञता

एसोसिएट डीन, एनआईटी जमशेदपुर, डॉ मोहम्मद आशिक हसन ने कहा कि एनईपी ने तकनीकी शिक्षा के दरवाजे खोल दिए हैं। ट्रिपल आईटी रांची के संकाय सदस्य डॉ शशिकांत शर्मा और डॉ जितेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि ट्रिपल आईटी रांची अपने इंजीनियरिंग कार्यक्रमों को एनईपी से संरेखित कर रहा है।

Hindustan, 26.07.2023, Pg.7